पांच करोड़ की आवास योजना

*605. **श्री राजनारायण** : क्या निर्माण, आवास और पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि व्यापार और विकास के संबंध में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के प्रतिनिधियों के ठहरने के लिये पांच करोड़ रुपये के लागत की एक आवास योजना को कार्यान्वित किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां तो इस योजना का विवरण क्या है और इसके लिये पैसा कहां से आ रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस योजना के अधीन अशोक होटल, रन्जीत होटल, जनपथ और लोधी होटलों को बढ़ाया जा रहा है ; और

(घ) अब तक के अनुभव के आधार पर क्या सरकार यह आशा करती है कि इन होटलों का विस्तार होने पर यह सामिक जरूरत पूरी होने के बाद इस विस्तार का कोई लाभकारी उपयोग होगा ?

5-CR0RE HOUSING SCHEME

*605. SHRI RAJNARAIN: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a housing scheme of the value of Rupees five crores is being implemented to accommodate representatives of the forthcoming United Nations Conference on Trade and Development;

t[ ] English translation.

(b) if so, what are the details of the scheme and what is the source from which this expenditure will be met; and

(c) whether it is also a fact that Ashoka Hotel, Ranjit Hotel, Janpath and Lodhi Hotels are being expanded under the said scheme; and

(d) whether, in view of the experience gained so far, Government expect that this expansion of these hotels would serve any useful purpose after meeting the present needs?]

निर्माण, आवास और पूर्ति मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) (क) से (घ) सभा पटल पर एक विवरण रखा जाता है।

विवरण

(क) व्यापार और विकास के संबंध में होने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ के अगामी सम्मेलन के संबंध में सरकार ने उच्च प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए निम्नलिखित कार्यों की मंजूरी दी है:—

(1) कर्जन रोड पर एक होस्टल का निर्माण करना, जिस पर फर्नीचर सहित लगभग 1.70 करोड़ रुपए की लागत आएगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास के सामान्य पूल में इस होस्टल के निर्माण की योजनाओं को 25 अप्रैल, 1963 को मंजूर किया गया था। परन्तु निर्माण कार्य शुरु न किया जा सका उसके दो कारण थे। पहला तो यह कि वित्तीय कठिनाइयां थीं, और दूसरा यह कि इसी स्थान पर एक होस्टल बनाने की वैकल्पिक योजना थी। परन्तु अन्तिम निर्णय यही किया गया है कि मूल योजना के अनुसार वहां सामान्य पूल में एक होस्टल बनाया जाए और उस काम को जनवरी 1968 तक पूरा कर दिया जाए, ताकि जनवरी से मार्च 1968 में

होने वाले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के प्रतिनिधियों को वहां ठहराया जा सके और उसके बाद वह सामान्य पूल के सरकारी कर्मचारियों को एलाट किया जा सके।

(2) विज्ञान भवन में एक उप-भवन का निर्माण करना, जिनपर लगभग 49 लाख रुपए की लागत आएगी। अब कुछ समय से ऐसा अनुभव किया जा रहा है कि बड़े सम्मेलनों के लिए विज्ञान भवन में उपलब्ध सुविधाएं अपर्याप्त हैं। उप-भवन बन जाने से व्यापार और विकास संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन तथा इसी प्रकार के अन्य सम्मेलनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं मिल सकेंगी। उन सुविधाओं के कारण दिल्ली में ऐसे अनेक बड़े सम्मेलन करने के लिए प्रेरणा मिलेगी, जो अब उन सुविधाओं के अभाव में नहीं हो सकते।

(3) लगभग 2.39 करोड़ रुपये की लागत से अशोक होटल लिमिटेड के विस्तार की योजना। पर्यटन विभाग बार-बार इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करता रहा है कि वहां पर स्थान की कमी है और जब दिसम्बर, 1966 में व्यापार और विकास संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के लिए स्थान के संबंध में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा स्थिति पर विचार करते समय स्थान की कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था, उस समय शीघ्र ही विस्तार कार्य शुरु कर देने के लिए होटल से कहने का निर्णय कर लिया गया था।

(4) लगभग 10 लाख रुपए की लागत पर रंजीत, लोधी और जनपथ होटलों में सुधार करने की योजना। ग्राहकों और विशेषतया व्यापार और विकास संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनेकों प्रतिनिधियों और स्टाफ के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए इन होटलों के कमरों को सुधारने, अतिरिक्त फर्नीचर की व्यवस्था करने और कई अन्य सुविधाएं देने का प्रस्ताव है।

(ख) कर्जन रोड पर होस्टल और विज्ञान भवन में उप-भवन के निर्माण पर आने वाला खर्च सामान्य पूल में कार्यालय और निवास संबंधी इमारतों के लिए नियत भारत की संचित निधि में से पूरा किया जायेगा अशोक होटल के विस्तार के लिए सरकार ने एक करोड़ रुपए अंश पूंजी के रूप में और एक करोड़ रुपए ऋण के रूप में देने की मंजूरी दी है। रंजीत, लोधी और जनपथ होटलों में सुधार करने के लिए खर्च कुछ तो कम्पनी की अंश पूंजी में चंदे के रूप में सरकार द्वारा दिया जाएगा और कुछ सरकार द्वारा ऋण के रूप में दिया जाएगा। इमारतों और स्थापनाओं में सुधार पर आने वाला खर्च भारत की संचित निधि और कम्पनी से प्रभारित अतिरिक्त किराये में से पूरा किया जाएगा।

(ग) अशोक होटल का विस्तार किया जा रहा है और रंजीत, जनपथ तथा लोधी होटलों में उपरोक्त प्रकार से सुधार किए जा रहे हैं।

(घ) दिल्ली के होटलों में स्थानाभाव का और पर्यटन विभाग द्वारा 1970-71 में पर्यटन यातायात को दुगना कर देने के लिए निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह आशा की जाती है कि अशोक होटल के विस्तार और लोधी, रंजीत तथा जनपथ होटलों के सुधार के परिणामस्वरूप दिल्ली में पर्यटकों के लिए होटलों में पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा। उनके विस्तार और सुधार से न ही केवल सम्मेलन की जरूरत पूरी हो सकेगी, अपितु आगामी वर्षों में पर्यटकों की सामान्य जरूरतें भी पूरी हो हो सकगी।

ttTHE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI JAGANNATH RAO): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

t [ ] English translation.

STATEMENT

(a) In connection with the forthcoming United Nations Conference on Trade and Development Government have sanctioned the taking up of the following works on a basis of very-high priority: —

(1) The construction of a hosl'el on Curzon Road at a cost of about Rs. 1.70 crores including furniture. Plans for the construction of this hostel in the general pool of accommodation for Government servants was sanctioned on the 25th April, 1963. The construction was not, however, taken up first because of financial stringency and then because of an alternative proposal to build a hotel on the site. The final decision, however, has been to revert to the original proposal to build a hostel in the general pool and to complete it by January 1968 so that it may be used for the delegates to the United Nations Conference in January-March 1968, and may thereafter be available for allotment to Government servants in the general pool.

(2) The construction of an annexe to the Vigyan Bhavan at a cost of about Rs. 49 lakhs. For some time now, the facilities available in Vigyan Bhavan for large conferences have been felt to be inadequate. The construction of the annexe will provide adequate facilities for the United Nations Conference on Trade and Development and for similar other large conferences thereafter. The existence of these facilities will be an attraction for the holding of more large International Conferences in Delhi which could not be held up to now owing to lack of facilities.

(3) The extension of the Ashoka Hotels Ltd. at a cost of about Rs. 2.39 crores. The shortage of hotel accommodation in Delhi has been repeatedly stressed by the Department of Tourism and when the shortage was highlighted in December 1966 during an examination of the position by the Ministry of Commerce in regard to accommodation for the UNCTAD Conference, a decision was taken to ask the Hotel to take up the extension programme urgently.

(4) Improvements to the Raniit, Lodhi and Janpath Hotels at a cost of approximately Rs. 10 lakhs. It is proposed to improve the rooms, provide additional furniture and add certain facilities in these hotels to make the rooms more adequate for the needs of clients including the very large number of delegates and staff attending the UNCTAD Conference.

(b) Expenditure on the construction of the hostel on Curzon Road and the annexe to the Vigyan Bhavan will be met from funds provided from the Consolidated Fund of India office and residential buildings in the general pool. For the expansion of the Ashoka Hotel, Government have sanctioned Rs. one crore as share capital and Rs. one crore as loan to be advanced to the Company. For the improvements to the Ranjit, Lodhi and Janpath Hotels, the expenditure will be met by Government partly by* subscribing to the Company's share capital and partly by sanctioning a loan to the Company. For improvements to the buildings and installations the expenditure will be met by Government from the Consolidated Fund of India and additional rent charged from the Company.

(c) The Ashoka Hotel is being expanded while the Ranjit, Janpath and Lodhi Hotels are being improved as already stated.

(d) In view of the existing shortage of hotel beds in Delhi and because of the target set by the Department of Tourism to double the tourist traffic by 1970-71, it is anticipated that the expansion of the Ashoka Hotel and the improvement of the Lodhi, Ranjit and Janpath Hotels will be a valuable contribution towards the availability of hotel ac-

commodation for tourists in Delhi. The expansion and improvements will meet not only the needs of the UNCTAD Conference but also the general needs of tourists in the years to follow.]

WITHDRAWAL OF THE BECHTELS FROM ENGINEERS INDIA LTD.

*608. SHRI UTTAM SINGH DUGAL: Willi the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Bechtels, an American concern, wants to pull out of the Engineers India Ltd.; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF PLANNING, PETROLEUM AND CHEMICALS AND SOCIAL WELFARE (SHRI ASOKAMEHTA): (a) and (b) The Government of India and Bechtel have mutually agreed to terminate their partnership in Engineers India Ltd. This was done because the two sides found that the Company was not adequately serving their respective aims.

POWER FOR ELECTRIFICATION OF RAIL TRACTION

*615. SHRI SURJIT SINGH ATWAL: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether his Ministry has been consulted by the Ministry of Railways in regard to pace of electrification of rail traction; and

(b) whether his Ministry is in a position to assure the Railways about adequate supplies of power needed for electrification keeping in view the position of availability of installation equipment and power generation programme?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO): (a) The Ministry of Railways itself | lays down the programmes and the phasing of railway track electrification.

(b) Yes, Sir.

*616. [Transferred *to the 19th June,* 1967.]

INSIGNIAS OF BRITISH EMPIRE

•617. SHRI M.V.BHADRAM: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state whether there is a proposal to remove the British Crown and other insignias of the British Empire prominently displayed on the walls of the North Block; Central Secretariat facing the bus terminus?

THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI JAGANNATH RAO): Yes. The work has already been undertaken.

PAINTING OF DOORS ETC. OF 'E' TYPE GOVERNMENT) QUARTERS

♦618. SHRI K. C. BAGHEL: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) the number of 'E' type Government quarters in Dev Nagar, New Delhi, the doors, windows, ventilators and ceiling beams etc. of which have not so far been painted during the 19C6 annual repairs;

(b) the reasons for not painting the doors etc. of all the 'E' type Government quarters in Dev Nagar; and)

(c) what action has been taken or proposed to be taken by Government against those responsible for this ne gligence?

THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI JAGANNATH RAO): (a) and (b) Normally, painting of doors, windows etc., in all quarters is done every three years. In 1966-67, the work was due to be carried out in 450 'E' type quarters in Dev Nagar. Complete painting of doors and windows was